3 - A Brief History of ~~the~~ Indian Art :-
Pre historic Period to Modern Indian Art

भारतीय चित्रकला का इतिहास —
भारतीय सांस्कृतिक विरासत का परिचय भारतीय कला के इतिहास से प्राप्त होता है। भारतीय चित्रकला उन्नति के सर्वोच्च शिखर तक पहुँची और स्थानीय सांस्कृतिक प्रभावों के कारण उसमें विविध शैलियों का विकास हुआ।

(अ) प्रागैतिहासिक काल — (प्रारंभ से 50 ई० तक)
— प्रागैतिहासिक कला को प्रदर्शित करने वाले प्रमुख स्थान निम्नलिखित हैं जिनसे हमें उस काल एवं संस्कृति का परिचय मिलता है —

(1) सिंहनपुर — मध्य प्रदेश में सिंहनपुर के निकट गेरू और रसराज से बने जानवरों के चित्र मिले हैं।

(2) पंचमढ़ी - मध्य प्रदेश में महादेव पर्वत श्रेणियों में लगभग 50 गुफाओं में

चित्र मिले हैं जिनका विषय आखेट तथा दैनिक जीवन संबंधी क्रियाएँ हैं, जैसे - शहद एकत्र करते हुए गाय चराते हुए, वाद्य यंत्र ~~बन~~ बजाते हुए, शस्त्रधारी व्यक्ति।

(3) होशंगाबाद — मध्य प्रदेश में महादेव पंचमढ़ी से लगभग 40 कि० मी० दूर नर्मदा नदी के किनारे होशंगाबाद में व्यक्तियों और जानवरों के चित्र मिले हैं।

(4) मिर्जापुर क्षेत्र — उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद और बनारस के मध्य वाले मिर्जापुर में पहाड़ी अंचलों से चित्र मिले हैं। इनके विषय पशु, पक्षी शिकार आदि हैं। यहाँ चित्र दीवारों और छतों पर बने हैं।

(5) मनिकपुर क्षेत्र — उत्तर प्रदेश बांदा जिले में मनिकपुर क्षेत्र से गेरू से बने चित्र मिले हैं। इनका प्रमुख विषय शिकार है।

(6) भीम बेटका — मध्य प्रदेश में भोपाल से लगभग 40 कि०मी० दूर भीमबेटका में लगभग 500 गुफाएँ प्राप्त हुई है। यहाँ अनेक पाषाणिक आभूषण एवं चित्र मिले हैं। चित्रों में लाल, काला एवं सफेद रंग प्रयुक्त हुआ है। इनमें जानवरों के चित्र प्रमुख हैं।

(7) अलनिया — राजस्थान की अलनिया घाटी में गैरू से बने जानवरों और आखेट के चित्र प्राप्त हुए हैं।

(8) बिल्ला सरगम — यह स्थान मद्रास (चेन्नई) के पास है। यहाँ कुछ चित्र जादू टोना से संबंधित हैं।

(9) बेलारी — दक्षिण भारत में बेलारी में आखेट संबंधी चित्र मिले हैं।

(10) कालीबंगा — राजस्थान के कालीबंगा में जो चित्र मिले है उनका समय लगभग 5000 ई० पू० बताया जाता है।

(ii) नवादा — बिहार के नवादा में 14 गुफाओं में चित्र मिले हैं, ये गुफाएं 40 कि०मी० के क्षेत्र में फैली हैं। यहाँ मनुष्य, पशु और शिकार के चित्र हैं। इनका समय 6000 ई० पू० से 3000 ई० पू० तक माना जाता है। यह कदाचित् प्रागैतिहासिक काल के प्राचीनतम ~~चि~~ चित्र हैं।

(ब) सिंधु घाटी की कला (4000 ई० पू० से 3000 ई० पू० तक) — सिंधु घाटी और रावी नदी के तट पर अनेक नगर मिले, जिनमें मोहन जोदड़ो और हड़प्पा प्रमुख हैं। पंजाब में रोपड़ और गुजरात में लोथल में भी उसी काल के अवशेष मिले हैं। यह ~~सभ्य~~ सभ्यता चीन से लेकर मध्य एशिया और संपूर्ण भारत में फैली थी

(स) जोगीमारा गुफा — यह गुफा मध्य प्रदेश की सरगुजा रियासत में स्थित है। इनमें की गई चित्रकारी अजंता और बौद्ध गुफाओं से पहले की है।